IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, October 2025
Impact Factor: 7.67

vuqlwfpr tutkfr;ksa ds f'k{kk lEcU/kh iko/kkuksa dk jk"Vªh; f'k{kk uhfr 2020 ds lUnHkZ esa fo'ys'k.kkREkd v/;;u

dfork jkor

शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ उत्तर प्रदेश, भारत

kavitarawat2303@gmail.com

'kks/k lkj&

भारत रंग–बिरंगें फूलों का गुलदस्ता है जिसमें तरह–तरह के फूल एक साथ खिले है अर्थात् विभिन्न पृष्ठभूमि व संस्कृतियों से आए हुए मनुष्य एक साथ मिलजुल कर बिना भेद–भाव के आगे बढ़ते है। भारत ही ऐसा एकल राष्ट्र है जिसमें सबसे अधिक जनजातीय आबादी **8-6 ifr'kr** है ¼**Hkkjr dh tux.kuk] 2011**½A भारत में लगभग 705 अनुसूचित जनजातियॉ है ¼**tutkrh; ekeyksa dk eU=ky; Hkkjr ljdkj 2011**½A लेकिन इन जनजातियों को शि़क्षा के समान अवसर नहीं मिल पा रहे है तथा यह जनजातियॉ शि़क्षा, तकनीकी, सरकारी योजनाओं व अन्य समान अवसरों को प्राप्त करने में अपने साथ की अन्य जातियों से पिछड़ गई है। हम यह जानते है कि शि़क्षा ही वह साधन है जो हमारे समाज का विकास करने, लोगों को जागरूक करने तथा व्यक्ति के व्यवहार में परिमार्जन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि शि़क्षा को प्राप्त करने अर्थात् शि़क्षा तक पहुँचने में कुछ कमियों व चुनौतियों तथा बाधाओं का सामना करना पड़ता है यही कठिनाईयॉ व चुनौतियॉ अनुसूचित जनजातियों के मनुष्यों के लिए शि़क्षा में रूकावट पैदा करती है। वर्तमान में अनुसूचित जनजातियों की आबादी काफी हद तक अपनी शैक्षिक स्थिति में सुधार कर रही है लेकिन अभी भी इनके सामने चुनौतियॉ व समस्याऍ कम नही है इनके सामने कुछ प्रमुख समस्याओं के अन्तर्गत– **vi0;; ,oa vojks/ku dh leL;k] Hkk'kkxr leL;k] v/kjs nLrkosTtksa dh leL;k] ekSle iwokZ] vkfFkZd fLFkfr] fo|ky; dh njh] f'k{kdksa dh deh** आदि है। इन समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार द्वारा अनेक प्रयास किए गए है जिसमें– **,dYk0; vokZlh; fo|ky;ksa dh LFkkiuk] vkJe fo|ky;ksa dh LFkkiuk] Nk=ofRr ;kstuk] fo'ks'k Nk=kokl lqfo/kk,a] tutkrh; f'k{kdksa dh HkrhZ** आदि शामिल है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के समक्ष आने वाली शैक्षिक चुनौतियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना तथा इन चुनौतियों के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रावधानों का अध्ययन कर यह देखना की राष्ट्रीय शि़क्षा नीति 2020 में अनुसूचित जनजातियों के लिए क्या प्रावधान किए गए है तथा यह प्रावधान जमीनी स्तर पर कितना सफल हो पाएगे एवं कितनी जनजातियो की आबादी इन्हें अपनाने के लिए सामने आती है।

Lkadsr "kCn& अनुसूचित जनजातियॉ, शैक्षिक प्रावधान, राष्ट्रीय शि़क्षा नीति 2020।